UP Board Notes Class 7 Sanskrit chapter 17 समाज निर्माणे नारीणां भूमिका

शब्दार्थाः- ब्रह्मवादिनी = ब्रह्मविषयक ज्ञान में निष्णात, परमतत्वचिन्तने = अध्यात्म तत्व के चिन्तन में, प्रज्ञावती = बुद्धिमती, दक्षा = समर्थ, समकक्षतां = समानता को, आपणेषु = दुकानों में, सहयोगितया = ;सहयोगी के रूप में कन्धे से कन्धा मिलाकर, भूषयन्तः = शोभित करती हुई, पुष्णाति = पुष्ट करता है, सरस्वत्यवतारभूता = सरस्वती का अवतार, अग्रेसरन्ति = आगे चलती हैं, आपणेष्वपि = बाजारों में भी, सांसदेत्यादीनि = सांसद इत्यादि, अभ्युन्नत = अधिक ऊँचा।

वैदिकवाङ्मये ..... सन्ति।

हिन्दी अनुवाद – वैदिक साहित्य (के काल) में – अपाला, घोषा, लोपामुद्रा, आदि विदुषी स्त्रियाँ हुई हैं। गार्गी ब्रह्मवादिनी, तीक्ष्णबुद्धि, अध्यात्मतत्व की विवेचिका थीं उन्होंने याज्ञवल्क्य के साथ शास्त्रार्थ किया तथा याज्ञवल्क्य को निरुत्तर (पराजित) किया। याज्ञवल्क्य की पत्नी मैत्रेयी भी बुद्धिमती और सूक्ष्म विवे.

चिका थीं। आचार्य मण्डनमिश्र की पत्नी भारती अतीव विदुषी, साक्षात् सरस्वती (माता) का अवतार थीं। उनकी विशिष्टता यह थी कि वे शङ्करचार्य के साथ मण्डनमिश्र के (होने वाले) शास्त्रार्थ में निर्णायिका बनी थीं जब मण्डनमिश्र पराचित (शास्त्रार्थ में पराजित) हो गये, तब उन्होंने स्वयं भी शङ्कर (आचार्य) के साथ शास्त्रार्थ किया।

आधुनिक काल में विमानचालन में, चन्द्रमा पर जाने में, जलयान चालन में महिलायें आगे चल रही हैं। पुरुष के समान स्त्रियाँ भी सार्वजनिक व्यापार में, दुकानों में (बाजारों में भी उनकी संख्या पुरुषों की अपेक्षा कम नहीं है। अब राजनीति में भी स्त्रियाँ पुरुषों के साथ सहयोगी के रूप में (कन्धे से कन्धा मिलाकर) प्रगति कर रही हैं। वे पार्षद, विधायक, सांसद इत्यादि पदों पर भी शोभित हो रही हैं। भाषण में भी उनकी ओजस्विता दिखाई देती है। अधिक क्या (अर्थात् इससे अधिक और क्या हो सकता है कि) राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री आदि महत्त्वपूर्ण पदों को सुशोभित करती हुई (स्त्रियाँ) गौरव प्राप्त कर रही हैं। क्रिकेट बालीबॉल, टेनिस इत्यादि पश्चिमी खेलों के क्षेत्रों में भी आधुनिक युवतियाँ और लड़कियाँ विदेशों में जाकर विजय प्राप्त करके संसार में भारत का मान बढ़ा रही हैं। आधुनिक समस्य में तो कबड्डी, भारोत्तोलन जैसे भारतीय खेलों में भी वे (स्त्रियाँ) होड़ कर रही हैं। विगत ओलम्पिक खेलों की प्रतिस्पर्धा में भारोत्तोलन में कर्णममल्लेश्वरी ने पदक प्राप्त किया है। शिक्षा के क्षेत्र में भी युवतियाँ प्रधानाध्यापिका के पदों पर प्रतिष्ठित हुई हैं। न केवल कुलपति के पद को बल्कि मन्त्री पद को भी वे (स्त्रियाँ) सुशोभित कर रही हैं इस प्रकार निश्चय ही स्त्रियाँ समाज के सब कर्मक्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान करती हुई राष्ट्र की उन्नति में संलग्न हैं।

https://www.evidyarthi.in/